Dr. Juneja's
EYE Mantra®

दीजिए अपनी आँखों को कुदरती आई मंत्रा

12 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों जैसे गुलाब, तुलसी, आंवला, नीम, पुदीना, शहद इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्रा' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आँखों में होने वाली समस्याओं जैसे आँखों की थकान, आँखों का सूखापन, आँखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल रखने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आँखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

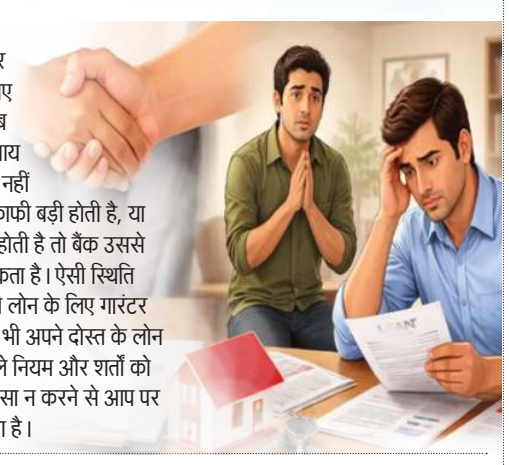




24x7 Helpline: 8196822222 • www.eyemantra.com • Available at all leading medical stores

दोस्त के लोन का गारंटर बनने से पहले जरूर जान लें नियम व शर्तें

प्रत्येक व्यक्ति की चाहत होती है कि वह अपना पसंदीदा घर या वाहन जरूर खरीदे। इसके लिए उसको लोन भी लेना पड़ता है। जब उधार लेने वाला व्यक्ति बैंक की आय या क्रेडिट स्कोर की शर्तों को पूरा नहीं करता है, या जब लोन की राशि काफी बड़ी होती है, या फिर लोन चुकाने की अवधि लंबी होती है तो बैंक उससे एक लोन गारंटर की मांग कर सकता है। ऐसी स्थिति में अक्सर लोग अपने दोस्तों से ही लोन के लिए गारंटर बनने के लिए कहता है। यदि आप भी अपने दोस्त के लोन का गारंटर बनने जा रहे हैं तो पहले नियम और शर्तों को जरूर व अच्छी तरह से पढ़ लें। ऐसा न करने से आप पर प्रतिकूल आर्थिक असर पड़ सकता है।



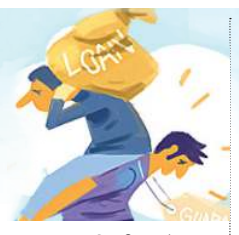


सिर्फ औपचारिकता भर नहीं है गारंटर बनना

किसी दूसरे के लोन का गारंटर बनना सिर्फ एक औपचारिकता नहीं है। यह एक प्रकार का कानूनी समझौता होता है, जिस पर आप हस्ताक्षर करते हैं। इसमें स्पष्ट तौर पर लिखा होता है कि अगर लोन लेने वाला अपना कर्ज नहीं चुका पाता है तो उस लोन को चुकाने की जिम्मेदारी गारंटर पर आ जाती है। भारतीय अनुबंध अधिनियम की धारा 128 के तहत, गारंटर कर्ज चुकाने के लिए जिम्मेदार होता है, जिसमें उस पर लगा ब्याज और जुर्माना भी शामिल है।

लोन गारंटर बनने के जोखिम

आम लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न बैंकों ने अपने ब्लाग पोस्ट में लोन गारंटर बनने के जोखिमों की जानकारी दी है। ऐसे में अपने किसी दोस्त के लोन का गारंटर बनने से पहले इन पर गौर करना जरूरी है। यहां कुछ प्रमुख जोखिमों की जानकारी दी जा रही है...



कानूनी जवाबदेही: यदि लोन लेने वाला व्यक्ति भुगतान करने में चूक करता है, तो कर्ज देने वाला बैंक या वित्तीय संस्थान बकाया राशि की वसूली के लिए गारंटी देने वाले के खिलाफ कानूनी कार्यवाही कर सकता है। उधार लेने वाले की अचानक मौत जैसी अप्रत्याशित परिस्थिति के कारण भी बैंक या वित्तीय संस्थान ऐसा कदम उठा सकता है।

समझौते से बाहर निकलने की मुश्किल: जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति के लोन का गारंटर बनने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर कर देता है तो उससे बाहर निकलना काफी मुश्किल होता है। किसी गारंटी समझौते से मुक्त होने के लिए कर्ज देने वाले की सहमति जरूरी है। इसके लिए कर्ज लेने वाले को पहले किसी दूसरे गारंटर का इंतजाम या फिर सोना या संपत्ति जैसी कोई गारंटी देनी पड़ सकती है।

लोन योग्यता पर असर: किसी दूसरे व्यक्ति के लोन का गारंटर बनना भविष्य में आपके खुद के लोन लेने की क्षमता पर असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि लोन देने वाले संस्थान आपकी लोन चुकाने की क्षमता का आकलन करते समय, आपके द्वारा गारंटी दिए गए लोन को भी एक वित्तीय जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि आपको मिलने वाली लोन की रकम कम हो सकती है, या फिर लोन पर ब्याज की दर ज्यादा हो सकती है।

क्रेडिट स्कोर पर असर: यदि लोन लेने वाला व्यक्ति भुगतान में चूक करता है तो इससे गारंटी देने वाले के क्रेडिट स्कोर में भी कमी आ सकती है। अक्सर देखने में आता है कि बैंक या वित्तीय संस्थान समय पर भुगतान न किए जाने की सूचना गारंटर को नहीं देते हैं। इससे गारंटर को होने वाले नुकसान का पता ही नहीं चलता है।

क्या सावधानी बरतें



- लोन का गारंटर बनने से पहले दोस्त की आर्थिक स्थिति और उसके लोन चुकाने के रिकार्ड की जांच करें। आप लोन लेने वाले से उसकी क्रेडिट रिपोर्ट भी मांग सकते हैं।
- यदि दोस्त की क्रेडिट रिपोर्ट में कोई गड़बड़ी दिखे या वह रोजमर्रा के खर्चों के लिए भी लोन पर निर्भर है तो गारंटर बनने से मना करना ही बेहतर होगा।



- कानूनी समझौते को ध्यान से पढ़ें। यह अच्छी तरह समझ लें कि यदि लोन नहीं चुकाया जाता है तो गारंटर की क्या जिम्मेदारियां होंगी।
- अगर संभव हो तो किसी अन्य को सह-गारंटर (को-गारंटर) बनाने पर भी विचार कर सकते हैं। हालांकि, इससे आपकी जिम्मेदारी कम नहीं होगी, बल्कि दो लोगों में बंट जाएगी।
- लोन की मासिक किस्त के भुगतान पर नजर बनाए रखें। इससे भुगतान में कोई देरी होने पर आपको समय रहते जानकारी मिल जाएगी।



(**नोट:** यह लेख केवल जानकारी के लिए है। किसी भी प्रकार के लोन में गारंटर बनने से पहले दस्तावेज अच्छी तरह से पढ़ लें।)

जागरण इन्फो

पहले जानें, शिकायत किससे करें

आपने उन निवेशकों की कहानी जरूर सुनी होगी जिन्होंने एक भारत एप के जरिये अमेरिकी शेयर खरीदे थे। मध्य अक्टूबर में इनमें से करीब 30 निवेशकों ने पाया कि बड़ी और जानी-मानी अमेरिकी कंपनियों में उनकी होल्डिंग बेच दी गई और उससे मिली रकम एक ऐसी चीनी 'बीमा टेक्नोलाजी' कंपनी में लगा दी गई है जिसके शेयर में बहुत कम ट्रेडिंग होती थी और जिसकी कीमत करीब एक डालर थी। इसके बाद वो शेयर करीब 60 प्रतिशत गिर गया। निवेशकों ने करीब 100 करोड़ रुपये के नुकसान की बात



धीरेंद्र कुमार, संपादक, हिंदी डाट वैल्यूरिसर्चआनलाइन डाट काम

बोनस

कही है। एक निवेशक का कहना है कि उसका 31 लाख डालर का पोर्टफोलियो दो मिनट के भीतर बेच दिया गया।

अभी तक ये तय नहीं हुआ है कि आखिर गड़बड़ी कहां हुई। प्लेटफार्म का कहना है कि शायद किसी दूसरी कंपनी के डाटा लीक से सामने आई जानकारी के जरिये इन अकाउंट्स को निशाना बनाया गया। अमेरिकी ब्रोकर का कहना है कि अकाउंट्स तक पहुंच भारतीय एप के इंटरफेस के जरिये हुई। बेंगलुरु में एक रिपोर्ट दर्ज हो चुकी है। मुझे जो बात दिलचस्प लगती है, वह यह है कि इस तरह का विवाद होना तय था।

जरा सोचिए कि आपके और ऐसे किसी एप पर खरीदे गए एपल के एक शेयर के बीच कितनी परतें हैं। एप और उसे चलाने वाली भारतीय कंपनी। एक कंपनी जो आपको ग्राहक के तौर पर जोड़ती है। एक अमेरिकी ब्रोकर जो आपके शेयर खरीदता-बेचता है और एक कस्टोडियन जिसके पास आपके शेयर रखे रहते हैं। आपको तो बस एक एप की आसान-सी स्क्रीन दिखती है, लेकिन उसके पीछे दो देशों की कई कंपनियां होती हैं और हर कंपनी के अपने कांट्रैक्ट कानून, रेग्युलेटर और वकील होते हैं। जब कुछ गड़बड़ होती है, तो हर कोई ऐसी दलीलें देता है जो सुनने में ठीक लगती हैं और आपके पास रिपोर्ट दर्ज कराने के अलावा कोई साफ रास्ता नहीं बचता।

शर्तें इस बात को छुपाती नहीं हैं। मुझे भेजे गए ऐसे ही एक दस्तावेज में साफ लिखा था कि किसी भी विवाद की सूरत में निवेशक भारत में शिकायत निपटाने या आर्बिट्रेशन के किसी भी तरीके का सहारा नहीं ले सकेगा और उसे सीधे अमेरिकी ब्रोकर से ही बात करनी होगी। देश में निवेश करने वाले लोग ऐसी सुरक्षा को मानकर चलते हैं। जो लोग विदेश पैसा भेजते हैं, वे इसे छोड़ देते हैं और लगभग तय है कि नियम और शर्तें पढ़े बिना।

पेचीदगी का फायदा सिर्फ बेचने वाले को होता है। हर परत से इस चेन में शामिल कारोबारों को फायदा होता है और आपके लिए जोखिम बढ़ता है। असल में, विदेश में निवेश का सबसे अच्छा, सबसे सुरक्षित और सबसे बेहतर तरीके से रेग्युलेटेड रास्ता बंद पड़ा है। 2008 से, विदेश में निवेश करने वाले भारतीय म्यूचुअल फंड्स पर पूरी इंडस्ट्री के लिए सिर्फ 7 अरब डालर की सीमा तय है, जबकि ये एप जिस एलआरएस रूट का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें हर साल 2.5 लाख डालर तक भेजे जा सकते हैं, वो अब भी पूरी तरह खुला है। जब तक ये नहीं बदलता, तब तक किसी भी एप पर साइनअप करने से पहले, उस चेन की हर परत से एक सवाल जरूर पूछिए- अगर कुछ गड़बड़ हुई, तो मैं शिकायत किससे करूंगा?

2027 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि 2.8% रहने का अनुमान

नई दिल्ली, एएनआइ: गोल्डमैन सैक्स रिसर्च ने ताजा रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि कैलेंडर वर्ष 2027 में वैश्विक आर्थिकी की वृद्धि दर 2.8 प्रतिशत रह सकी है। इसमें ऊर्जा कीमतों में नरमी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) में लगातार निवेश का प्रमुख योगदान रहेगा। 2026 में 2.7 प्रतिशत वृद्धि रहने का अनुमान है।

गोल्डमैन सैक्स रिसर्च के मुख्य अर्थशास्त्री जान हात्जियस ने कहा कि 2027 में ठोस जीडीपी वृद्धि की उम्मीद है। 2026 की वैश्विक वृद्धि को आकार देने वाले कई कारक अगले साल अलग होंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, आपूर्ति की स्थिति में सुधार से ऊर्जा कीमतें 2027 में आर्थिक वृद्धि को मामूली बढ़ावा दे सकती हैं। गोल्डमैन सैक्स के कमोडिटी विश्लेषकों का अनुमान है कि 2027 के अंत तक ब्रेंट क्रूड 78 डालर प्रति बैरल पर आ जाएगा।

चीन ईवी में व्यस्त, भारत को मिला बड़ा बाजार

पारंपरिक पेट्रोल-डीजल वाहनों की मांग वाले बाजारों पर ध्यान केंद्रित कर रहा भारतीय आटो उद्योग

जयप्रकाश रंजन • जागरण

- हुंडई, मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, महिंद्रा अपना रहीं आक्रामक निर्यात नीति
- अगले पांच वर्षों में करीब तीन लाख करोड़ का निवेश करेंगी ये चारों कंपनियां



नई दिल्ली: वैश्विक कार बाजार में भारतीय आटोमोबाइल उद्योग के लिए नई संभावनाएं खुल रही हैं। कारण यह है कि चीन की आटोमोबाइल कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। इससे भारतीय कार कंपनियों को पारंपरिक पेट्रोल और डीजल वाहनों के वैश्विक बाजार में तेजी से प्रसार करने का मौका मिलता दिख रहा है। खासकर जहां अभी ईवी इन्फ्रा विकसित नहीं हुआ है।

हुंडई मोटर इंडिया, मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी प्रमुख कंपनियों की भावी रणनीति सिर्फ भारतीय बाजार तक सीमित नहीं है। ये कंपनियां वैश्विक कार बाजार पर भी नजर टिकाए हुए हैं। चारों कंपनियां संयुक्त रूप से भारत में अगले चार से पांच वर्षों में तकरीबन तीन लाख करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही हैं। इसका एक बड़ा हिस्सा विदेशी बाजारों में भारत में निर्मित वाहनों के लिए आवश्यक व्यवस्था तैयार करने पर खर्च होगा। क्षमता विस्तार, नई संयंत्र और एक्सपोर्ट-फ्रेंडली प्रोडक्शन से ये कंपनियां 'मेड इन इंडिया फार द वर्ल्ड' की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

हुंडई मोटर इंडिया के एमडी एंड सीईओ तरुण गर्ग का कहना है कि चीन ईवी में बहुत अच्छा कर रहा है। लेकिन कई देश जहां अभी ईवी का कोई इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं है और इन देशों में पारंपरिक ईंधन वाली कारों की मांग है और यह बढ़ रही है। हमारी नजर इन बाजारों पर है। हाल ही में हमने देखा है कि कुछ अफ्रीकी, दक्षिणी अमेरिकी व एशियाई देशों में हमारी काम्पैक्ट एसयूवी वेन्यू और एक्सटर के निर्यात में जबरदस्त वृद्धि हुई है। यह पूरे भारतीय कार उद्योग के लिए एक बड़ा संकेत है।

चीन की कंपनियां ईवी को लेकर बेहद उत्साहित हैं और उनकी प्राथमिकता घरेलू बाजार को पूरा करने की है। 2025 में चीन में न्यू एनर्जी व्हीकल्स (बैटरी इलेक्ट्रिक और प्लग-इन हाइब्रिड) की बिक्री करीब 1.65 करोड़ यूनिट रही थी, जो कुल वाहन बिक्री का लगभग 48-54 प्रतिशत हिस्सा था। अगस्त, 2026 में यह हिस्सा बढ़कर 65 प्रतिशत के करीब पहुंच चुका है। बीवाईडी जैसी कंपनियां इस बाजार पर हावी हैं। घरेलू मांग इतनी मजबूत है कि चीनी कंपनियां निर्यात पर उतना जोर नहीं दे पा रही हैं जितना डीजल-पेट्रोल चालित वाहनों के लिए संभव है। एक कारण यह भी है कि ईवी के लिए जरूरी कच्चे माल- जैसे लिथियम, कोबाल्ट, ग्रेफाइट, निकेल पर चीन का ही वर्चस्व है। रेयर अर्थ प्रोसेसिंग और मैग्नेट उत्पादन में भी उसकी पकड़ मजबूत है। इसलिए चीन घरेलू सप्लाई चेन और बाजार को प्राथमिकता दे रहा है।

इन देशों पर भारतीय कंपनियों का ध्यान

दक्षिण अफ्रीका, मेक्सिको, चिली, पेरू, सऊदी अरब, श्रीलंका, नेपाल और अन्य अफ्रीकी-लैटिन अमेरिकी देश वे प्रमुख बाजार हैं जहां भारतीय कंपनियों को पारंपरिक ईंधन वाले वाहनों में बढ़त मिलने की सबसे अधिक संभावना है। भारतीय कंपनियां इन्हीं बाजारों में सस्ती, विश्वसनीय और ईंधन-कुशल काम्पैक्ट एसयूवी व यात्री कारों के साथ तेजी से आगे बढ़ रही हैं। चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में देश के कुल आटो निर्यात का 70 प्रतिशत मारुति और हुंडई ने किया है।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

सराफा बाजार

सोना	सोना 24 कैरट	सोना स्टैंडर्ड	आभूषण 22 कैरट
जालंधर	1,49,000	1,55,500	1,44,620
अमृतसर	1,53,750	1,53,650	1,40,800
लुधियाना	1,49,050	1,56,000	1,45,500

(सोना दाम प्रति 10 ग्राम)

गिन्नी	जालंधर	अमृतसर	लुधियाना
प्रति नग	1,17,860	1,15,240	1,18,300

चांदी	जालंधर	अमृतसर	लुधियाना
तेजाबी	2,36,800	2,44,000	2,37,000
सिक्का	2,61,500	2,49,500	2,77,000

अंडों के भाव

जालंधर 566 रुपये प्रति सैकड़ा
लुधियाना 566 रुपये प्रति सैकड़ा
स्रोतः सेतिया ब्रदर्स।

अलौह धातु : (किलो/जीएसटी अतिरिक्त): एंटीमनी: चीन 2000, कैडमियम: रॉड 418, लैड (सीसा): बैट्री सफेद 113, बैट्री काला 96, देशी मुलायम 194/214, देशी सख्त (एक-डेढ़ प्रतिशत) 200/214, चार प्रतिशत 212/222, पी.पी. 115, गन मैटल स्क्रैप: लोकल 1031, मिक्स 1041, जालंधर 1061, ब्रास (पीतल): हनी 876/911, रेडिएटर देशी 691, रेडिएटर विदेशी 691, चादरी देशी 851/881, पुर्जे स्क्रैप 831/871, टिन (रांग): इंगट मलेशिया 4625, इंडोनेशिया 4650, जिंक (जस्ता): इंगट (पटरा) एचजेडएल 427, एजेड X, आई जेड 430, जेजेड 428,पीएमआई 364, ड्रास (ढीमा) 340, निकिल कैथोड: रसियन-(4X4) 1565, (8X8) 1570, (4X24) 1575, नार्वे (4X4) 1580, (4X24) 1585, कॉपर (तांबा): आरमेचर प्लांट 1275, भट्ठी 1273, सीसी 1362, एल्यूमीनियम: सीजी इंगट 336, शीट कटिंग 313, वायर स्क्रैप 318, बर्तनफूट 279, पुर्जाफूट 239, रॉड: लोकल 325, कंपनी 349

पंजाब के मंडी भाव : विस्तार से जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें।

पंजाब की मंडियां

खन्ना: जीएसटी अतिरिक्त (प्रति विवं.): राइसब्रान (खाद्य)(प्रति प्वाइंट)215, राइसब्रान (अखाद्य) 213, खल सरसों 3800, डीओसी: राइसब्रान बैच सफेद 2000, लाल X, कंटीन्यूअस 2000, सरसों (टन) 31000, सूरजमुखी (टन) 30000, अनाज: गेहूं 2760/2800, आटा (50 किलो)1560/1570, मैदा 1660/1670, चोकर (45 किग्रा) 1250, चोकर (30 किग्रा) 850, सूजी (50 किलो) 1685/1695, मक्की बिहार 3100/3125

लुधियाना : दाल-दलहन: राजमां चित्रा 12000/15500, अरहर दाल 13500/14600, उड़द साबुत 11700/12900, उड़द धोया 12000/12500, छिलका 11600/13100, दाल मसूर 7500/11500, चनादाल 9150/9450, एग्रो प्योर बेसन (35 किग्रा.)3600, काबली चना 9000/13200, मूंग साबुत 9600/11000, मूंग धोया 10500/12800, चावल : डीबी सेला 9800/9900, शरबती स्टीम 7600/7800,चावल 1121 सेला 10300/10400, तेल: बिनौला 15800, चावल तेल 14000, सरसों 18900/19000, खल: सरसों 3850/3950, बिनौला 4600/4700, डीओसी: मूंगफली 36500, किराना : जीरा 29500/35000, धनिया 19000/22000, हल्दी 25200/29000, केसर प्रति ग्राम कश्मीरी 250/260

अमृतसर : चावल: बासमती (1121 नं.) स्टीम 11600/11800, सेला 10400/10600, शरबती सेला 6700/6900, शरबती स्टीम 7700/7800,चावल (1509) सेला 8300/8500, धान: शरबती 3600/3650, बासमती 1121 धान 5800/6000, धान (1509) 4500/4600, पीआर-11 चावल 6800/6900, देशी चना 8800/8900, चनादाल 9200/9500, गुड़ (विवं): लड्डू मंगलौर X, देशी पंजाब 5700/5800, शक्कर देशी 5550/5600, बूरा खांड 5500/5550

जालंधर : गेहूं दड़ा 2830/2840, चावल परमल कच्चा 4000/4100, सेला 3900/4000, मक्की बिहार 3100/3150, एमपी 2950/3000 दाल उड़द छिलका 11600/13000, चना देशी छना 9000/9100, दाल चना 9300/9500, काबली चना 9900/14000, राजमां चित्रा पुणे 11700/13500,चीन 14300/14900, शर्मिली 10300/10600, किराना: जीरा 28700/33000, धनिया 18200/23200, लालमिर्च गुन्टूर-(334 नं.) 17500/18500, तेजा 26000/29800, हल्दी इरोड गट्ठा 24800/24900, निजामाबाद 26200/28500, मेवा (किलो): काजू: (320 नं.) 1020/1040, (210 नं.)1080/1120, (240 नं.) 1050/1060, (180 नं.) 1170/1180, मखाना 825/1300, गोला 43000/48000

बठिंडा: रुई (प्रति मन): जे-34 पंजाब 6690/6710, हरियाणा 6600/6630, राजस्थान 6680/6710, बिनौला 4400/4600, नरमा कपास नई 8700/9200, खल (प्रति विवं.) बिनौला 4400/4450, सरसों खल 3850/3950, गेहूं चोकर (29 किलो) 720, (किलो 50) 1380

लोहा व इस्पात: नई दिल्ली, (एनएनएस): (प्रति टन) जीएसटी पेड सरिया: कामधेनु: (8 एमएम) 72600, (10 एमएम) 71400, (12 एमएम) 69000, (16-25 एमएम) 70200, कामधेनु पीएएस-10000 (पीस): (8 एमएम) 416, (10) 639, (12) 904, (16) 1608, (20 एमएम) 2513, (25 एमएम) 3924, अंबा शक्ति -500 एसडी: (8 एमएम) 71000, (10 एमएम) 69800, (12 एमएम) 69100, (16-25 एमएम) 69000, (32 एमएम) 66500, अम्बा शक्ति-ट्राइकोर (8 एमएम) 69300, (10) 69900, (12) 67500, (16-25) 68000, (32) 61600, केवीएस टीएमटी बार (8 एमएम) 71600, (10) 71100, (12) 69000, (16-25) 69400, (28-32) 63800, टीएमटी: जयभारत: (8 एमएम) 72600, (10 एमएम) 71400, (12 एमएम) 69000, (16-25 एमएम) 70000, अनमोल-500 एसडी: (8 एमएम) 72600, (10 एमएम) 71400, (12 एमएम) 69000, (16-25 एमएम) 70000, एंगल: राना (जीएसटी अतिरिक्त) (50X5) 48000, केवीएस-एमएस (35X5) 51000, (40X5/6) 51500, (50X5) 52000, (50X6) 53500, (65X5/6) 53000, जयभारत: (50X5 से 75X10) 51800/52300, अनमोल: 51800/52300, चैनल: राना (जीएसटीअतिरिक्त) 49000, एमएस (केवीएस) (75X40) (100X50) 52500, जयभारत 52800, अनमोल 52800, गार्डर (ज्वाइस्ट): जयभारत 53000, अनमोल 53000, टी-आयरन: राना 49000, (बिलट): (ढाई से तीन इंच) 45000, (साढ़े तीन इंच) 45500, (चार इंच) 45500, (पांच इंच) 46500, (छः इंच) 47000, स्क्रैप: पुरानी 39000, मैल्टिंग स्क्रैप 40000 इंगट 47000, राउंड 54000

COURT NOTICE

(U/o 5 Rule 20 CPC)
In the Court of Sh. Keshav Agnihotri
Civil Judge (Junior Division), Ludhiana
Raj Kumar
Vs.
Ramesh Kumar
CNR No. PBLD02-005328-2026
Next Date:- 16-12-2026

Publication Issued to:
1. Ramesh Kumar S/o Sh. Narayan Dass R/O B-34-5449, Friends Lane, New Tagore Nagar, Haibowal Kalan, Ludhiana.
In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 16-12-2026 at 10:00 a.m.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=ludhiana

Civil Judge (Junior Division),
Dated, this day of 11-11-2026 **Ludhiana**

SBI

भारतीय स्टेट बैंक, तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन शाखा-II, 11वां तल, जवाहर व्यापार भवन, एसटीसी बिल्डिंग,
1 टॉल्स्टॉय मार्ग, जनपथ, नई दिल्ली-110001, ईमेल : agmcl1.50950@sbi.co.in, फोन : 011-43179555 मो. 9166344999

ई-नीलामी बिक्री सूचना

परिशिष्ट IV-क और II-क, (नियम 8 (6) & 6(2) का परन्तुक देखें) अचल और चल सम्पत्तियों के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 (6) & 6(2)) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल और चल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

आम लोगों को और विशेष रूप से उधार लेने वाला, गारंटर और प्रत्याभूतिदाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित **अचल** और चल आस्तियां जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/दृष्टिबंधक/प्रभारित है, का **भौतिक कब्जा**, प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **"जहाँ है", जैसा है" और जो कुछ भी है"** के आधार पर निम्नवर्णित कर्जदारों/गारंटर्स और बंधककर्ताओं को प्रत्याभूतदाता, से प्रतिभूत लेनदार भारतीय स्टेट बैंक की नीचे वर्णित रुपए की बकाया राशि की वसूली हेतु नीचे वर्णित दिनांकों को बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य और अग्रिम धनराशि नीचे वर्णित रूपए होगी।

कर्जदार/गारंटर(रों)/ का नाम पता/पते सहित	नीलामी के अंतर्गत अचल और चल संपत्तियों का विवरण	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि (आरक्षित मूल्य का 10%) / वृद्धि राशि	बकाया राशि	सम्पत्ति का स्थल पर निरीक्षण करने हेतु तिथि एवं समय एवं प्राधिकृत अधिकारी का नाम	बोली आवेदन पत्र, केवाईसी दस्तावेजों, पैन कार्ड, ईएमडी जमा करने का प्रमाण आदि जमा करने की तिथि व समय और धरोहर राशि M/S PSB ALLIANCE (BAANKNET) के माध्यम से	ई-नीलामी की तिथि / समय 10 मिनट प्रत्येक के आसीमित स्वतः विस्तार सहित
मैसर्स क्वालिटी ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड पंजीकृत कार्यालय: 863, इंडस्ट्रियल एरिया ए, लुधियाना-141001 **श्री राकेश कुमार गोयल (निदेशक एवं गारंटर)** 2-सी, सराभा नगर, लुधियाना, पंजाब-141001 **श्रीमती गीता गोयल (निदेशक एवं गारंटर)** 2-सी, सराभा नगर, लुधियाना, पंजाब-141001 **श्री रजत गोयल (गारंटर एवं बंधककर्ता) (मैसर्स गुप्ता लूम इंडस्ट्रीज के प्रोप्राइटर)** 2-सी, सराभा नगर, लुधियाना, पंजाब -141001	**औद्योगिक शेड एम.सी. नं. B-XXIII-2498/870, प्लॉट नं. 851, आर.के. रोड, औद्योगिक क्षेत्र-ए- लुधियाना में स्थित, साथ में भूमि क्षेत्रफल 2140 वर्ग गज और 31800 वर्ग फीट और उस पर निर्मित भवन, यह सम्पत्ति श्री रजत गोयल के माध्यम से मैसर्स गुप्ता लूम इंडस्ट्रीज के नाम पर है।** **प्लांट एवं मशीनरी तथा इन्वेंटरी (स्टॉक), जो एमसी नं. बी-XXIII-2498/870, प्लॉट नं. 851, आर.के. रोड, औद्योगिक क्षेत्र-ए, लुधियाना में संस्थापित है।** **(भौतिक कब्जा)**	₹ 7,62,00,000.00 ₹ 76,20,000.00 ₹ 2,00,000.00 आरक्षित मूल्य का विवरण: जमीन और इमारत: ₹ 7,07,00,000.00 प्लांट और मशीनरी: ₹ 44,00,000.00 इन्वेंटरी: ₹ 11,00,000.00	रू. 50,01,38,785.80 (पचास करोड़ एक लाख अड़तीस हजार सात सौ पचासी रुपये और अस्सी पैसे मात्र) 31.10.2026 तक, साथ ही इस पर आगे का ब्याज, खर्च और अन्य शुल्क	25.11.2026 दोपहर 12.00 बजे से अर्पाह्न 03.00 बजे तक प्राधिकृत अधिकारी: सुश्री महिमा गुप्ता मुख्य प्रबंधक मो. 9166344999, 9490188128	ई-नीलामी खत्म होने से पूर्व	03.12.2026 (गुरुवार) दोपहर 12.00 बजे से अर्पाह्न 03.00 बजे तक 10 मिनट प्रत्येक के असीमित स्वतः विस्तार सहित

नोट: ई-नीलामी केवल एक एकल लॉट के लिए है, जिसमें जमीन और इमारत, प्लांट और मशीनरी, तथा इन्वेंट्री शामिल हैं। जमीन और इमारत, प्लांट और मशीनरी, तथा इन्वेंट्री के लिए अलग-अलग कोई बोली स्वीकार नहीं की जाएगी।

M/S PSB ALLIANCE (BAANKNET) द्वारा प्रदान किए गए ई-नीलामी साइट **https://baanknet.com** पर बोलीकर्ताओं द्वारा ईएमडी को अपने स्वयं के बटुए (wallet) में हस्तांतरित/जमा करना होगा।

नियम व शर्तें:- ई-नीलामी "जहाँ है", जैसा है" और जो कुछ भी है" के आधार पर ऑन लाईन आयोजित की जायगी।
ई-नीलामी **https://BAANKNET.com** लिंक के माध्यम से आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, बोलीदाताओं को ई-नीलामी सेवा प्रदाता **M/S PSB ALLIANCE (BAANKNET)** की सेवा शर्तों का अनुपालन करना होगा।
इच्छुक बोलीदाता ई-नीलामी बंद होने से पूर्व **M/S PSB ALLIANCE (BAANKNET)** के पास प्री-बिड ईएमडी जमा कर सकते हैं। **M/S PSB ALLIANCE (BAANKNET)** के बैंक खाते में भुगतान की प्राप्ति और ई-नीलामी वेबसाइट में इस तरह की जानकारी को अपडेट करने के बाद ही बोलीदाता को प्री-बिड ईएमडी का क्रेडिट दिया जाएगा। बैंकिंग प्रक्रिया के अनुसार इसमें कुछ समय लग सकता है और इसलिए बोलीदाताओं को अपने हित में सलाह दी जाती है कि किसी भी अंतिम समय की समस्या से बचने के लिए बोली पूर्व ईएमडी राशि अग्रिम रूप से जमा करें।
तथापि इच्छूक बोलीदाता(ओं) को, ऋणभार, नीलामी में रखी गयी सम्पत्ति(यों) के स्वामित्व तथा सम्पत्ति(यों) को प्रभावित करने वाले दावों / अधिकारों / बकाया राशियों के संबन्ध में अपनी स्वयं स्वतन्त्र जांच, अपनी बोली प्रस्तुत करने से पूर्व कर लेनी चाहिए। इस संदर्भ में ई-नीलामी विज्ञापन, बैंक की किसी भी प्रकार की प्रतिबद्धता/वचनबद्धता निर्मित नही करता है और न ही कोई वचनबद्धता/प्रतिबद्धता या प्रतिनिधित्व करता समझा जायेगा।
सफल बोलीदाता की **धरोहर राशि जमा (ईएमडी)** बिक्री प्राप्ति के भाग के रूप में रोक कर रखी जाएगी तथा असफल बोलीदाताओं की ईएमडी वापस कर दी जाएगी। धरोहर राशि जमा पर कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा। **सफल बोलीदाता को बिक्री मूल्य की 25 प्रतिशत राशि, पहले अदा की गई ईएमडी समायोजित करने के बाद प्राधिकृत अधिकारी द्वारा बोली मूल्य स्वीकार किए जाने के बाद अर्थात उसी दिन या अगले कार्य दिवस में जमा करनी होगी** तथा शेष राशि बिक्री के 15वें दिन या उससे पहले जमा करनी होगी। सफल बोलीदाता द्वारा भुगतान में चूक की स्थिति में पहले जमा की गई राशि जब्त मान्य होगी और सम्पत्ति की नीलामी नए सिरे से की जाएगी तथा चूककर्ता बोलीदाता का सम्पत्ति/राशि के संबंध में कोई दावा/अधिकार मान्य नहीं होगा।
प्राधिकृत अधिकारी /प्रतिभूत लेनदार किसी तृतीय पक्ष के दावों / अधिकारों / बकाया राशियों के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होगा। यह ई-नीलामी वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुर्ननिर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम- 2002 के अन्तर्गत निर्धारित नियमों/शर्तों के अनुसार की जायेगी। और आयकर/जीएसटी नियम, जहां भी लागू हों।
ई-नीलामी के अन्य नियम व शर्ते निम्नलिखित वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। **https://BAANKNET.com, https://www.sbi.co.in**

सरफासी ऐक्ट, 2002 के अधीन बिक्री हेतु कानूनी नोटिस

तिथि : 12.11.2026, स्थान : लुधियाना हस्ता/- प्राधिकृत अध